प्रत्येक सोमवार को हल्द्वानी से प्रकाशित

भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक कार्यालय से प्रदत्त पंजीयन संख्या : UTTHIN/2017/73662

कुमाऊं जनसन्देश

www.kumaonjansandesh.com

वर्ष – 8 अंक – 52 हल्द्वानी(नैनीताल) सोमवार 24 नवम्बर 2025 पृष्ठ – 4 मूल्य – 2.00 रुपया

नगर निगम हल्द्वानी–काठगोदाम बोर्ड बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

व्यावसायिक भवन कर की तिथि 31 दिसंबर तक बढ़ाई, निगम कार्यालय विस्तार सहित विभिन्न विकास कार्यों को मिली मंजूरी

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

हल्द्वानी। नगर निगम हल्द्वानी–काठगोदाम की बोर्ड बैठक बीते शुक्रवार को महापौर गजराज सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें शहर से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए। बैठक में नवसमावेशित क्षेत्रों में व्यावसायिक भवनों पर कर जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया। साथ ही 6.94 करोड़ रुपये की लागत से निगम कार्यालय के विस्तार तथा एसटीपी प्लांट से 1.10 करोड़ रुपये की लागत से पाइपलाइन डालने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। इसके अलावा बैठक में निम्न प्रमुख प्रस्ताव भी पारित किए गए। जिनमें निगम की दुकानों के प्रथम तल का आवंटन, कृष्णा कत्था फैक्ट्री में कैंप कार्यालय स्थापित करने तथा वहां रह रहे लोगों का पुनर्वास,एसडीएम कार्यालय के नमो भवन में शिफ्ट होने के बाद परिसर को नगर निगम को हस्तांतरित करना निजी पार्किंग निर्माण के लिए स्वंय की भूमि के उपयोग की अनुमति, निगम की दुकानों के किराया छूट हेतु 2 माह की वृद्धि, दुकानों के अनुबंध व नवीनीकरण की प्रक्रिया, निगम के खोड़ क्षेत्र में मीट मार्केट खोलना, मंगल पड़ाव में वेन्डिंग ज़ोन का निर्माण, वर्कशाप लाइन में दुकानों का निर्माण, छतरी चौराहे पर पुस्तकालय निर्माण, बरेली रोड नई मंडी के सामने दुकान निर्माण, ई–वी वाहनों के लिए तीन स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन, शनि बाजार स्टेशन पर चबूतरा निर्माण, कटघरिया चौराहे पर दुकान एवं लेबर शेड निर्माण, कर्मचारियों की 100 प्रतिशत उपस्थिति हेतु बायोमेट्रिक मशीन व्यवस्था, निगम प्रमाणपत्रों के लिए यूज़र चार्ज रसीद को अनिवार्य करना, जजी कोर्ट के पास आंचल मिल्क कैफे निर्माण शामिल हैं। इसके अलावा कैनाल रोड का नाम 'जगत सिंह पांगी' किए जाने का अनुमोदन, कर्मचारियों के गोल्डन कार्ड निर्माण की स्वीकृति, रजत जयंती वर्ष में किए गए कार्यों की समीक्षा, निगम पार्षदों के लिए अन्य राज्यों में शैक्षिक भ्रमण, निगम द्वारा बनाई गई उपविधियों को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। बैठक में नगर आयुक्त परितोष वर्मा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, लेखाधिकारी, कर अधीक्षक सहित 43 पार्षद उपस्थित रहे। महापौर गजराज सिंह बिष्ट ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हल्द्वानी में 25 से लगेगा सात दिवसीय सहकारिता मेला

सहकारिता से पर्यटन विकास रखी गई है थीम, महिला समूह लगाएंगे स्टाल

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

नैनीताल। अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष एवं राज्य स्थापना की रजत जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में सहकारिता विभाग द्वारा सहकारी आन्दोलन की भूमिका, उपलब्धियों एवं संभावनाओं को व्यापक रूप से प्रदर्शित किये जाने हेतु पूरे प्रदेश के समस्त जनपदों में सहकारी मेले का आयोजन किया जा रहा है। जनपद नैनीताल में उक्त सहकारी मेले का आयोजन दिनांक 25 नवम्बर, 2025 से 01 दिसम्बर 2025 तक (कुल 07 दिनों का) एमबी कालेज मैदान हल्द्वानी में किया जा रहा है।

यह जानकारी देते हुए जिला सहायक निबंधक सहकारी समिति नैनीताल डीएस नपलचियाल ने अवगत कराया कि सहकारी मेला सहकारिता से पर्यटन विकास, (जिसके अन्तर्गत मुख्य रूप से ईको हास्पिटेलिटी, ईको टूरिज्म, होमस्टे आपरेटर प्रशिक्षण, स्थानीय व्यंजन प्रदर्शनी, फल उत्पादन होम स्टे सहकारिता) की थीम पर के आयोजित होगा। उन्होंने अवगत कराया कि इस सहकारिता मेले के माध्यम से सहकारिता की मूल भावना को स्थानीय स्तर पर मूर्त रूप देने एवं उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था में सहकारिता विभाग के योगदान को रेखांकित करने तथा साथ ही अनुसांगिक संस्थाओं को एक साझा मंच प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। मेले में विभिन्न विभागों एवं महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा उत्पादित स्थानीय उत्पादों के स्टाल्स लगाने के साथ ही, सहकारी गोष्ठियों एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे। उन्होंने जिले के सहकारिता से जुड़े समस्त सदस्यों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वह मेले में आकर इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाएं।

नशा मुक्त भारत अभियान में नैनीताल जिले का उत्कृष्ट प्रदर्शन

व्यापक जनसमर्थन पर सभी नागरिकों एवं सहयोगी विभागों का जताया आभार

नैनीताल। जिला समाज कल्याण अधिकारी विश्वनाथ गौतम ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान के पाँच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित ई शपथ कार्यक्रम में नैनीताल जनपद ने राष्ट्रीय स्तर पर 5वां स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिले द्वारा नशामुक्ति के क्षेत्र में किए जा रहे निरंतर प्रयासों और जनभागीदारी का परिणाम है।ग ौतम ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, विभागों, संस्थानों, विद्यार्थियों, युवाओं, विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा अभियान में प्रदान किए गए सहयोग की सराहना की व आभार व्यक्त किया।

कहा कि इसी प्रकार समन्वय और टीमवर्क के साथ कार्य करते हुए नैनीताल को विभिन्न शासन प्रशासनिक योजनाओं में लगातार अग्रणी जिला बनाया जा सकता है। उन्होंने नशामुक्त समाज की दिशा में मिल रहे व्यापक जनसमर्थन पर सभी नागरिकों एवं सहयोगी विभागों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विज्ञान ड्रामा में उत्तरकाशी जिले के राइंका को मिला प्रथम स्थान

एपीजे अब्दुल कलाम राज्य विज्ञान महोत्सव 2025 के समापन पर विजेता सम्मानित

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

हल्द्वानी। हल्द्वानी खालसा इंटर कालेज में एपीजे अब्दुल कलाम राज्य विज्ञान महोत्सव 2025 के समापन दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद नैनीताल–ऊधम सिंह नगर अजय भट्ट व निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण उत्तराखंड बन्दना गर्ब्याल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।अतिथियों ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में सांसद अजय भट्ट ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये प्रतिभागियों को बाल वैज्ञानिकों को अपना आशीर्वाद देते हुए राज्य स्तर पर विजेता बाल वैज्ञानिकों प्रतिभागियों को अपनी बधाई प्रेषित की। उन्होंने कहा कि हमारी नई पीढ़ी यदि आगे बढ़ेगी तो निश्चित ही उत्तराखण्ड और भारत दोनों विश्व के वैज्ञानिक मानचित्र पर और अधिक ऊँचाई प्राप्त करेंगे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामना दी। विज्ञान ड्रामा में उत्तरकाशी जनपद की राजकीय इंटर कालेज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, इनके विज्ञान ड्रामा का शीर्षक कल्पतरु की छाँव में ग्रीन टेक्नोलाजी था। द्वितीय स्थान पर विज्ञान ड्रामा में ऊधम सिंह नगर जनपद के गुरु गुरुकुल अकादमी इंटर कालेज खटीमा का नाटक सभी के लिए स्वच्छता रहा। तृतीय स्थान पर पिथौरागढ़ जनपद का विज्ञान ड्रामा डिजिटल इंडिया रहा। विज्ञान माडल में सीनियर वर्ग में जनपद नैनीताल के राजकीय इंटर कश्वलेज गरजौली के आदित्य ने सतत कृषि वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्वास्थ्य और स्वच्छता वर्ग में टिहरी गढ़वाल की राजकीय इंटर कालेज गौनीखाल की दीप्ति रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जल संरक्षण और प्रबंधन वर्ग में नैनीताल जनपद के राजकीय इंटर कश्वलेज चांफी की कुमारी यामिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में अपशिष्ट प्रबंध और प्लास्टिक के विकल्प वर्ग में अल्मोड़ा के इंटर कालेज रानीधारा के हर्षित बिष्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मनोरंजक गणित माडल वर्ग में देहरादून के राजकीय बालिका इंटर कालेज हरिपुर कालसी की राशि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जल संरक्षण और प्रबंधन वर्ग में राजकीय बालिका इंटर कश्वलेज राजपुर रोड देहरादून की समीरा जाड़ा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के संयोजक मुख्य शिक्षा अधिकारी नैनीताल गोविंद राम जायसवाल जी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। इस दौरानजिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक पुष्कर लाल टमटा, जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक हर्ष बहादुर चंद, एम बी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य डीके पंत, कार्यक्रम की स्थलीय संयोजक कमला शैल, जिला विज्ञान समन्वयक डा. दिनेश जोशी, सह समन्वयक प्रदीप जोशी, खंड शिक्षा अधिकारी हलवानी तारा सिंह,आशुतोष शाह डश्व कन्नू जोशी, गिरीश कांडपाल आदि उपस्थित रहे।

सम्पादकीय...

श्रम सुधार देश के विकास के लिए अहम कदम

कई दशकों तक भारत कमजोर आर्थिक विकास, भ्रष्टाचार और रोजगार सृजन एवं श्रमिक कल्याण के प्रति प्रतिब)ता के अभाव से जूझता रहा। राजनीतिक उद्देश्यों से होने वाले घेराव और बंदी ने औद्योगिक गतिविधियों को बाधित किया, निवेश को रोका और व्यवस्था में भरोसा तोड़ा। इस जड़ता को तोड़ने के लिए देश के नेतृत्व में बड़ा बदलाव जरूरी था। तब लाल किले से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'श्रमेव जयते' का आह्वान किया और कहा कि भारत की विकास यात्रा के केंद्र में श्रम की गरिमा यानी मजदूरों का सम्मान होना चाहिए। यह एक नारा ही नहीं था, बल्कि एक नए राष्ट्रीय सोच का आरंभ था, जिसमें नीतियां बनाते समय श्रमिकों को केंद्र में रखा गया।भारत के अधिकांश श्रम कानून 1920 से 1950 के बीच बने थे और उनमें औपनिवेशिक सोच की झलक दिखती थी। जबकि दुनिया में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल गया है। गिग और प्लेटफार्म आर्थिकी का बढ़ना, डिजिटल कामकाज, लचीली कार्य संरचनाएं और नए प्रकार के उद्यम तेजी से उभर रहे थे, लेकिन भारत के पुराने श्रम कानून समय के साथ नहीं बदले और आधुनिक कार्यबल या प्रतिस्पधह्न अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पंच प्रण के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। पुराने कानून इसलिए नहीं बने रहे, क्योंकि वे अच्छे थे। वे इसलिए बने रहे, क्योंकि पिछली सरकारों में उन्हें बदलने का राजनीतिक साहस, इच्छा शक्ति और दूर दृष्टि की कमी थी। ऐसी राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए मोदी सरकार ने भारत के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक को लागू किया। पूर्व के 29 बिखरे हुए श्रम कानूनों को मिलाकर चार सरल और स्पष्ट श्रम संहिताएं बनाई गई हैं। वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता। 21 नवंबर से ये संहिताएं लागू भी हो गईं। ये संहिताएं एक आधुनिक श्रम ढांचा स्थापित करती हैं, जो श्रमिक-हितैषी और विकास समर्थक हैं। यह दर्शाता है कि भारत अब तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार है। सभी क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स ने एक पुरानी पड़ चुकी श्रम प्रणाली से आगे बढ़ने की आवश्यकता को पहचाना है। श्रमिकों और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ संवाद में यही सामने आया कि कार्यस्थल पर स्पष्टता, निष्पक्षता और सम्मान की आवश्यकता श्रम संहिता के मूल में होनी चाहिए। इसी मार्गदर्शक सि)ांत ने हमारे सुधारों को आकार दिया है।

इस सुधार ने पूर्व के जटिल और छितरे हुए तंत्र को ऐसे सिस्टम से बदल दिया है जो सरल, पारदशह्न और हर श्रमिक की सुरक्षा करने वाला है। श्रम संहिताएं अपने मूल स्वरूप में नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को संतुलित करते हुए श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देती हैं। वे निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देती हैं और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करती हैं। ये संहिताएं आडियो-विजुअल श्रमिकों और गिग तथा प्लेटफार्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता प्रदान करती हैं। ये अखिल भारतीय ईएसआइसी कवरेज को सक्षम बनाती हैं। 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करती हैं। इनमें वे बागान श्रमिक भी शामिल हैं, जो पहले इसके दायरे में नहीं आते थे। ये राज्यों में असमानताओं को कम करने के लिए सभी श्रमिकों के लिए वैधानिक न्यूनतम वेतन की गारंटी देती हैं। अनिवार्य नियुक्ति पत्र, पे स्लिप और सवेतन वार्षिक अवकाश जैसे प्रविधान हर श्रमिक को अधिक स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करते हैं। कांट्रैक्ट आधारित रोजगार के एक प्रगतिशील विकल्प के रूप में संहिताओं में फिक्स्ड टर्म एंप्लायमेंट द्धएफटीईऋ यानी निश्चित अवधि के रोजगार की शुरुआत की गई है। एफटीई के तहत एक निश्चित अवधि के लिए नियोजित श्रमिकों को स्थायी कर्मचारियों के समान ही वेतन, लाभ और काम करने की स्थितियां प्राप्त होती हैं, जिनमें सवेतन अवकाश, काम के तय घंटे, चिकित्सा सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा और अन्य वैधानिक सुरक्षाएं शामिल हैं। विशेष रूप से एफटीई कर्मचारी केवल एक वर्ष की निरंतर सेवा के बाद ही ग्रेच्युटी के लिए पात्र हो जाते हैं। संहिताएं आधुनिक कार्यस्थलों की वास्तविकताओं को भी स्वीकार करती हैं। यदि कोई कर्मचारी स्वेच्छा से मानक घंटों से अधिक काम करना चुनता है तो उसे ओवरटाइम के लिए नार्मल सैलरी रेट से दोगुना पैसा मिलना चाहिए, जिससे हर परिस्थिति में निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके। नारी शक्ति इन सुधारों का एक केंद्रीय स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी के महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के ष्टिकोण से निर्देशित ये संहिताएं महिलाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शामिल होने के नई राहें खोलती हैं, जिनमें अंडरग्राउंड खदानों, भारी मशीनरी और नाइट शिफ्ट में काम करना शामिल हैं।यह तभी संभव है जब इस पर उनकी सहमति हो और मजबूत सुरक्षा प्रोटोकाल लागू हों। संहिताएं सिंगल रजिस्ट्रेशन, सिंगल लाइसेंस और सिंगल रिटर्न फाइलिंग की शुरुआत करके नियोक्ताओं पर अनुपालन के बोझ को काफी कम करती हैं। यह सुगमता उद्योगों को पूरे भारत में अपनी यूनिट्स का विस्तार करने और स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। ये श्रम संहिताएं भारत के आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनने की राह में एक बड़ा बदलाव लाने वाला पड़ाव हैं। ये श्रमिक की गरिमा बनाए रखती हैं, औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करती हैं और ऐसा माडल बनाती हैं जहां श्रमिकों के अधिकार और सम्मान की रक्षा होती है। प्रधानमंत्री मोदी के विजन और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के प्रति प्रतिब)ता से निर्देशित ये श्रम सुधार एक आधुनिक, लचीली और समावेशी अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव रखने के साथ ही श्रमिकों और उद्यमों दोनों को भारत के विकास के केंद्र में रखते हैं।

सम्पादक : विनोद चन्द्र पनेरू

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक तथा सम्पादक विनोद चन्द्र पनेरू द्वारा भीड़ापानी ओखलकांडा प्रिन्टिंग प्रेस (मोती सिंह), भोलानाथ गार्डन हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित तथा हरिपुर लालमणि पो.ऑ- देवलचौड़, हल्द्वानी, नैनीताल (उत्तराखंड) से प्रकाशित। मो. 9410354318

Email:-vinodpaneru123@gmail.com

आंचल दुग्धशाला पहुंच दुग्ध उद्योग की बारीकियों से रुबरू हुए छात्र

शिवालिक इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों को कराया गया शैक्षिक भ्रमण

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

लालकुआं। नैनीताल आंचल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड द्वारा शिवालिक इंटरनेशनल स्कूल, हल्द्वानी के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को मुख्य दुग्धशाला का शैक्षिक भ्रमण कराया गया।

इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को दुग्ध उत्पादों के उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण तथा आधुनिक परीक्षण प्रक्रियाओं की जानकारी देना था। दुग्धशाला पहुंचने पर 90 विद्यार्थियों को आंचल के विभिन्न उत्पादों दूध, घी, मक्खन, पनीर, छाछ, मठ्ठा, खोवा , लस्सी और क्रीम के निर्माण की पूरी प्रक्रिया का लाइव अवलोकन कराया गया।

छात्र-छात्राओं ने प्लांटों में उपयोग होने वाली अत्याधुनिक मशीनरी, स्वच्छता मानकों और हाइजीनिक पैकेजिंग सिस्टम को करीब से देखा। कई विद्यार्थियों ने पहली बार इतने बड़े औद्योगिक संयंत्र को देखकर उत्साह व्यक्त किया। दुग्ध संघ के प्रशासन/विपणन प्रभारी संजय सिंह भाकुनी ने बच्चों को बाजार में उपलब्ध रासायनिक मिश्रण वाले दूध और अन्य दुग्ध उत्पादों से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया। उन्होंने शुद्ध, सुरक्षित और प्रमाणित उत्पादों के चयन पर विशेष जोर देते हुए बताया कि आंचल उपभोक्ता स्वास्थ्य को सर्वोपरि मानते हुए उच्च गुणवत्ता मानकों का पालन करता है। शैक्षिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्पादन की तकनीक, परीक्षण प्रयोगशालाओं और गुणवत्ता जांच प्रक्रियाओं से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनका अधिकारियों ने विस्तृत और सरल भाषा में उत्तर दिया। बच्चों ने दुग्धशाला के कामकाज की सराहना करते हुए कहा कि यह भ्रमण उनके लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। कार्यक्रम में सामान्य प्रबंधक अनुराग शर्मा, वित्त प्रभारी उमेश पठालनी, कारखाना प्रबंधक धर्मेन्द्र सिंह राणा,विजय चौहान, मनोज कुमार, सुमित पांडे एवं संजय तिवारी ,शिक्षकों में शिखा वर्मा शालिनी जोशी दिवाकर राणा मौजूद रहे।

चिकित्सा, शिक्षा, पर्यटन विकास में खर्च होगी खनन न्यास की निधि

डीएम ने दिये खनन न्यास से स्वीकृत धनराशि का सदुपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश

जिला अस्पताल में एक 3डी अल्ट्रासाउंड मशीन की उपलब्धता कराने का भी निर्णय

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में बीते दिनों कलक्ट्रेट में जिला खनन न्यास की शासी परिषद की बैठक हुई। इस बैठक में खनन न्यास के तहत विभागों के प्रस्तावित कार्यों को लेकर विचार विमर्श हुआ।

बैठक में खनन न्यास से 3 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि को शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन विकास, खेल संवर्धन जैसे अनेक कार्यों में खर्च करने के प्रस्ताव पास हुए। इस बैठक में यह निर्णय हुआ कि खनन न्यास की धनराशि को चिकित्सा, शिक्षा, पर्यटन विकास एवं अन्य जनोपयोगी कार्यों में ही व्यय किया जाएगा। इस बैठक में यह तय किया गया कि खनन न्यास से जिला अस्पताल में एक 3डी अल्ट्रासाउंड मशीन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि इस मशीन के जिला अस्पताल में स्थापित होने से स्थानीय नागरिक, गर्भवती महिलाओं तथा दूर दराज के लोगों को भी काफी लाभ होगा। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि मशीन के प्रोक्योरमेंट की सभी प्रक्रियाएं नियमानुसार पूर्ण की जाएं।

जिलाधिकारी ने खनन न्यास के माध्यम से राजकीय विद्यालयों में अस्थाई शिक्षकों की तैनाती की लिए भी धनराशि स्वीकृत की। अल्मोड़ा जनपद की जीवनदायिनी नदी कोसी पर बने बैराज का डिसिल्टिंग का कार्य भी खनन न्यास से कराए जाने पर सहमति बनी है। जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता सिंचाई को निर्देश दिए कि इस कार्य को गुणवत्ता के साथ किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि खनन न्यास की धनराशि को जनपद के चहुमुखी विकास के लिए ही खर्च किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि खनन न्यास से स्वीकृत धनराशि का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए आगामी समय में अधिकारियों द्वारा जो प्रस्ताव दिए जाएंगे, वह भी जनहित से ही सम्बंधित हों। बैठक में अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, मुख्य शिक्षा अधिकारी अत्रेश सयाना, उपजिलाधिकारी संजय कुमार, जिला खनन अधिकारी राहुल रावत समेत अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

प्रतिदिन के कार्य का निर्धारित करें लक्ष्य : रयाल

डीएम ने की जनपद में निर्माणाधीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

नैनीताल।जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने कार्यालय सभागार कक्ष, नैनीताल में अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद में निर्माणाधीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों को तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जमरानी बांध परियोजना सहित सैनिटोरियम- भवाली-कैंचीधाम बाईपास सड़क निर्माण एवं मानस खंड मंदिर माला योजना अंतर्गत नैना देवी मंदिर में कराए जा रहे सौंदयह्नकरण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। जमरानी बांध परियोजना जो जून 2029 में पूर्ण होनी है की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने वर्तमान में किए जा रहे निर्माण कार्यों के साथ ही टनल निर्माण कार्य, पुनर्वास, भूमि अधिग्रहण की स्थिति, मुआवजा वितरण, गूलों एवं नहरों के सुधारीकरण व निर्माण कार्यों के साथ ही बांध परियोजना हेतु विद्युत लाईन बिछाए जाने, अमृतपुर कैलाश द्वार से परियोजना स्थल तक सड़क सुधारीकरण एवं डामरीकरण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। टनल निर्माण की समीक्षा के दौरान महाप्रबंधक परियोजना महेश खरे ने अवगत कराया की वर्तमान तक 800 मी टनल का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा शेष में कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित समय पर परियोजना में कार्य पूर्ण हो इस हेतु प्रतिदिन के कार्य करने का जो लक्ष्य निर्धारित है उसी के अनुरूप कार्य की प्रगति हो इस हेतु अधिकारी प्रत्येक दिन किए गए कार्यों की समीक्षा करें। जिलाधिकारी ने कहा सरकार की यह एक महत्वपूर्ण परियोजना है, इस निर्माण कार्य को अधिकारी गंभीरतापूर्वक लेते हुए निर्धारित समय जून 2029 तक इसे पूर्ण पर कराएं। इस दौरान जिलाधिकारी ने बांध निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण संबंधी पुनर्वास व मुआवजा राशि वितरण आदि प्रक्रिया के सबन्ध में की जा रही कार्यवाही की भी जानकारी अधिकारियों से ली। साथ ही कहा कि इन सभी प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु अपर जिलाधिकारी द्धवित्त एवं राजस्वऋ उपजिलाधिकारी नैनीताल तथा महाप्रबंधक जमरानी बांध परियोजना तीनों अधिकारी टीम के साथ गांव में जाकर कैम्प लगाकर लंबित प्रकरणों का निस्तारण शीघ्रता से करें। इस दौरान जिलाधिकारी ने बांध प्रभावित परिवारों हेतु किच्छा में निर्माणाधीन कश्वलोनी के निर्माण कार्यों के प्रगति की भी समीक्षा की और भवनों के निर्माण कार्य तेजी से कराने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने अमृतपुर कैलाश द्वार से बांध निर्माण स्थल तक 8 किलोमीटर सड़क मार्ग में किए जाने वाले सुधारीकरण व डामरीकरण कार्य की भी प्रगति की जानकारी ली। इस संबंध में बांध परियोजना महाप्रबंधक ने अवगत कराया कि उक्त मार्ग में डामरीकरण व सुधारीकरण का कार्य किया जाना है इस दौरान सड़क को कुछ दिन हेतु बड़े वाहनों विशेष रूप से खनन कार्य में लगे बड़े वाहनों के संचालन के लिए पूर्णतया बंद करना होगा। इस संबंध में जिलाधिकारी ने कुमाऊं मंडल विकास निगम के महाप्रबंधक, उप जिलाधिकारी नैनीताल एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी की टीम गठित करते हुए तत्काल स्थलीय निरीक्षण कर उक्त कार्य को यथासमय पूर्ण कराए जाने हेतु बांध परियोजना के अधिकारियों के साथ समन्वय करते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए साथ ही सड़क सुधारीकरण एवं डामरीकरण का कार्य 15 दिन के भीतर पूर्ण करने के निर्देश महाप्रबंधक को दिए। इस दौरान जमरानी बांध परियोजना हेतु बिछाए जाने वाली 32 केवी विद्युत लाइन निर्माण की भी प्रगति की समीक्षा की गई। विद्युत विभाग से आए अधिकारी द्वारा अवगत कराया की ग्रामीणों द्वारा विद्युत लाइन बिछाए जाने हेतु कुछ विवाद के कारण विद्युत लाइन बिछाए जाने का कार्य नहीं हो पा रहा है इस संबंध में जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी नैनीताल, महाप्रबंधक बांध परियोजना एवं अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए की वह शीघ्र ही गांव में जाकर ग्रामीणों से वार्ता कर उक्त समस्या का समाधान करते हुए विद्युत लाइन बिछाए जाने का कार्य प्रारंभ कर शीघ्रता से उसे पूर्ण करें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में महत्वपूर्ण सड़क भवाली-सेनीटोरियम से रातीघाट द्धकैंचीधाम बाई पासऋ सड़क मार्ग की भी समीक्षा की। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग नैनीताल से आए अधिशासी अभियंता ने अवगत कराया की उक्त मार्ग कुल 18.02 किलोमीटर की लंबाई का है जिसमें से वर्तमान तक 8 किलोमीटर सड़क को पक्का कर डामरीकरण भी कर लिया गया है। शेष 10.2 किलोमीटर मार्ग में कटिंग का कार्य पूर्ण कर दिया गया है। वर्तमान में कलमठ, सुरक्षा दीवार निर्माण आदि कार्य गतिमान है। उक्त मार्ग कोभवाली- अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़े जाने हेतु 74 मीटर स्पान का मोटर पुल का निर्माण होना है जिसकी डीपीआर तैयार का शासन को भेजी गई है। जिलाधिकारी ने इस संबंध में अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए की वह शीघ्र ही शासन में संपर्क करते हुए पुल की स्वी—ति करने की भी कार्रवाई भी करें।उन्होंने कहा कि काटी गई सड़क मार्ग में दीवार, पुलिया, स्कबर एवं एवं निर्माण कार्यों को तेजी से करते हुए द्वितीय चरण के कार्यों को कराए जाने की भी कार्यवाही की जाय।बैठक में जिलाधिकारी ने कैचीधाम मंदिर के निकट पार्किंग निर्माण, पैदल पुल निर्माण, श्र)ालुओं हेतु पाथवे निर्माण, ध्यान केंद्र निर्माण की भी प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यदाई संस्था लोक निर्माण विभाग को सभी कार्यों को निर्धारित समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ने अवगत कराया की उक्त कार्य हेतु 40 करोड रुपए की धनराशि प्राप्त हुई थी जिसमें से 45: कार्य पूर्ण हो गया है अन्य कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस दौरान जिलाधिकारी ने नैनीताल जिला मुख्यालय में प्रसि) नैना देवी मंदिर परिसर में मानस खंड मंदिर माला परियोजना अंतर्गत कराए जा रहे सौंदर्यकरण कार्य की प्रगति की भी जानकारी की। इस संबंध में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ने अवगत कराया कि इस कार्य हेतु कुल 11 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई जिसमें से लगभग 80: कार्य पूर्ण हो गए हैं शेष कार्य गतिमान हैं। साथ ही नैनीताल के मल्लीताल एवं तल्लीताल सहित विभिन्न चौराहों के सौंदर्यकरण एवं चौड़ीकरण कार्यों की भी प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने एनएच के अधिकारियों को निर्देश दिए की राष्ट्रीय राजमार्ग में कहीं पर भी सड़क पाले आदि से खराब या क्षतिग्रस्त हो जाती है तो तत्काल उसे ठीक किया जाए

स्वच्छता पर विशेष फोकस करें जिले के सभी निकाय

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

नैनीताल।बीते गुरुवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने कैंप कार्यालय हल्द्वानी में जिले में स्वच्छता अभियान, शीतकालीन तैयारी, अवैध अतिक्रमण व अवैध खनन रोकथाम, होम स्टे योजना को लेकरके अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी नगर निकायों के अंतर्गत स्वच्छता अभियान के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन किए जाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी निकाय अपने क्षेत्र को स्वच्छ बनाएं और स्वच्छता के मानकों की पूरा करने हेतु कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर आयुक्त तथा सभी अधिशासी अधिकारी प्रत्येक दिन नगर में सफाई व्यस्था सुनिश्चित कराने के साथ ही एक वार्ड का स्वयं निरीक्षण करेंगे। जिस भी क्षेत्र में गंदगी पाई जाती है उस क्षेत्र में तैनात सफाई निरीक्षण व पर्यावरण मित्र का तत्काल जवाब तलब करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित करें। साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि जो सफाई कार्मिक/पर्यावरण मित्र लंबे समय से अपने क्षेत्र में कार्य ठीक ढंग से नहीं करता है व लापरवाही करता है उसे नियमानुसार सेवानिवृत्त करने अथवा सेवा से हटाने की कार्यवाही की जाय।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक पर्यावरण मित्र व सफाई कर्मचारी को स्वच्छता कार्य में उपर्युक्त आवश्यक उपकरण के साथ ही मास्क, ग्लव्ज, बूट आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए जाए ताकि उन्हें कार्य करने में असुविधा न हो। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपनी जिम्मेदारी को समझें और नगरीय क्षेत्रों में नियमित सफाई व्यवस्था के साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर भी कार्य करें। इसके अलावा कूड़ा निस्तारण में भी निकाय पूरी तरह ध्यान दें। जिलाधिकारी ने कहा कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक इस शीतकाल में ठंड का प्रकोप बढ़ने की संभावना के मद्देनजर सभी रैन बसेरों में आवश्यक व्यवस्था के साथ ही नियमित अलावा जलाने हेतु जलौनी लकड़ी की व्यवस्था सहित निराश्रित लोगों को कंबल बांटने जैसी व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त कर लें। बैठक में जिलाधिकारी ने रामनगर स्लाटर हाउस के संचालन के संबंध में उप जिलाधिकारी रामनगर को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान में जनपद में सही रैंकिंग आए इस हेतु स्वच्छता के क्षेत्र में विशेष व अभिनव प्रयास किए जाएं। बैठक में जिलाधिकारी ने नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमण को चिह्नित करते हुए उसे तत्काल हटाए जाने के निर्देश सभी उपजिलाधिकारियों सहित नगर आयुक्त हल्द्वानी को दिए। इस संबंध में उन्होंने कहा कि टीमों का गठन कर अतिक्रमण चिह्नकरण का कार्य शीघ्रता से किया जाए।

जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को हल्द्वानी नगर क्षेत्र में चौराहों के चौड़ीकरण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए अवशेष चौराहों के चौड़ीकरण किए जाने व उनके सुधारीकरण कार्य को तत्काल किए जाने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। इस संबंध में जिलाधिकारी ने सिटी मजिस्ट्रेट हल्द्वानी, नगर आयुक्त व उप जिला अधिकारी हल्द्वानी को निर्देश दिए की जहां पर भी सड़क चौड़ी होनी है और वहां अतिक्रमण को हटाना है तो तत्काल उसे हटाते की कार्रवाई की जाय। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि बाजार में कहीं पर भी फुटपाथ, नाली आदि में अतिक्रमण हुआ है तो उसे भी शीघ्र चिन्हित कर एक अभियान के तहत उसे हटाऐं, ताकि आम जनता को परेशानी ना हो। इस दौरान जिलाधिकारी ने हल्द्वानी नगर में चौड़ीहुई सड़कों में से जहां-जहां विद्युत पोलों को शिफ्ट करना है उक्त कार्य यथाशीघ्र कराए जाने हेतु विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि शीतकाल के मद्देनजर जिन क्षेत्रों में विद्युत ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई जानी है,वहश्वं तत्काल नए ट्रांसफर लगाया जाए व अतिरिक्त ट्रांसफार्मर भी स्टोर में रखे जाएं। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों एवं खान अधिकारी को नियमित रूप से खनन चुगान क्षेत्र में भ्रमण कर अवैध खनन को रोकने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।, उन्होंने कहा कि जिले में कहीं भी अवैध खनन की शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए उससे प्रशासन की छवि भी धूमिल होती है, अधिकारी अलर्ट रहकर कार्य करें ताकि अवैध खनन को पूर्णतया रोका जा सके। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पर्यटन विभाग से जिले में संचालित होम स्टे के संबंध में भी जानकारी लेते हुए कहा कि लोगों को स्वरोजगार से जोड़े जाने हेतु सरकार की यह एक महत्वपूर्ण योजना है उक्त योजना का लाभ पात्र व्यक्ति को मिले इस हेतु सभी उपजिलाधिकारी अपने क्षेत्र में संचालित हो रहे होम स्टे का स्थलीय निरीक्षण करें। जो होम स्टे मानकों में नहीं आते हैं अर्थात संबंधित स्वामी उसमें निवास नहीं कर रहा है और न ही पार्किंग की व्यवस्था है, ऐसे होम स्टे के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।

जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश है कि जिले में संचालित सभी होमस्टे में यहां की संस्कृति की झलक दिखे इस हेतु वहां स्थानीय महिला समूह के द्वारा तैयार उत्पादों को प्रदर्शित करने के साथ ही इन सभी होम स्टे में आने वाले पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति जानने के अवसर प्रदान कराएं। बैठक में जिलाधिकारी ने जिले में नए वेडिंग डेस्टिनेशन चिह्नित करने के साथ ही उनको विकसित करते हुए बृहद प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटन अधिकारी को जिले में शीतकालीन यात्रा के प्रोत्साहन के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अपर जिला अधिकारी विवेक राय, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान, नगर आयुक्त परितोष वर्मा सहित सभी उप जिला अधिकारी, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्र की योजनाओं को गंभीरता से लें अधिकारी

सांसद अजय भटट ने ली जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक

अधिकारियों को दिये समय पर गुणवत्तायुक्त कार्य पूरा करने के निर्देश

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

रुद्रपुर।सांसद अजय भट्ट ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लेते हुए केन्द्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की गहनता से समीक्षा करते हुए कहा कि दिशा की बैठक की मानिट्रिंग प्रधानमंत्री द्वारा स्वयं की जाती है इसलिए केन्द्र सरकार की योजना कार्यो को गम्भीरता से लेते हुए कार्यो को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी पूरी तैयरियों के साथ बैठक में प्रतिभाग करें व आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारें ताकि जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। उन्होने बैठक में परियोजना प्रबन्धक ब्रिडकुल के अनुपस्थित होने पर मुख्य विकास अधिकारी को स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिये।

सांसद जल जीवन मिशन कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि जो योजना कार्यो में सड़के खोदी गई हैं उन्हे प्राथमिकता से ठीक कराना सुनिश्चित करें साथ ही उन्होने सभी को पेयजल सयोंजन करने के भी निर्देश दिये। उन्होने गदरपुर विकास खण्ड के बुक्सौरा क्षेत्र में लीकेज पानी की टंकी को ठीक कराने के निर्देश दिये। उन्होने नगर पंचायत कौशल्यापुरी में पेयजल योजना की डीपीआर बनाने के निर्देश पेयजल निगम को दिये। अधीक्षण अभियंता पेयजल ने बताया कि नगर पंचायत कौशल्यापुरी पेयजल योजना की डीपीआर अमृत योजना के अन्तर्गत बनाकर भेजी गयी है, जो स्वीकृत भी हो गई है। उन्होने बताया कि सात अन्य निकाय भी योजना के अन्तर्गत स्वीकृत है, जिनकी विस्तृत डीपीआर आगामी माह दिसम्बर तक भेज दी जायेगी।

माननीय सांसद ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) चिकित्सालय की समीक्षा करते हुए विस्तृत जानकारी मांगी, जिस पर चिकित्सा अधीक्षक ईएसआईसी ने बताया कि चिकित्सालय 2 लाख 16 हजार ईएसआईसी कार्ड धारकों के लगभग 8 लााख लोगों को चिकित्सा सुविधाऐं प्रदान करता है। चिकित्सालय में 26 जनरल चिकित्सकों के स्वीकृत पदों के सापेक्ष 23 चिकित्सक तैनात है जबकि 24 विषेशज्ञ चिकित्सक पदों के सापेक्ष मात्र 3 विषेशज्ञ चिकित्सक तैनात है, इसी तरह 75 नर्सिग स्टश्फ तैनात है। सांसद ने चिकित्सालय में उपलब्ध चिकित्सा के उपकराणों एवं मरीजों के उपचार व सुविधाओं की भी विस्तृत जानकारी ली। उन्होने कहा कि जिन मरीजों का उपचार विषेशज्ञ चिकित्सकों के न होने के कारण नही हो पा रहा है उन्हें अन्य चिकित्सालयों में रेफर करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होने चिकित्सालय हेतु चिकित्सकों, अन्य स्टाफ व उपकरणों की आवश्यकता है उसका प्रस्ताव बना कर शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये ताकि भारत सरकार स्तर पर वार्ता कर मांग की जा सके।

सांसद ने रूद्रपुर में स्वीकृत केन्द्रीय विद्यालय को संचालित करने के निर्देश दिये जिस पर जिलाधिकारी ने बताया कि केन्द्र विद्यालय के संचालन हेतु 15 कक्ष की आवश्यकता है जिस हेतु समाज कल्याण विभाग के पुराने छात्रावास को चिन्हित किया गया है, उक्त छात्रावास का मरम्मत कार्य जिला विकास प्रधिकारण के माध्यम से कराया जा रहा है, जिसमें 2026-27 का शिक्षण सत्र प्रारम्भ किया जायेगा। श्री भट्ट ने रुद्रपुर बाईपास का निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए कार्य की गुणवत्ता व समयब)ता पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए सभी को बधाई दी। उन्होने एनएचएआई को बाजपुर, आईजीएल के पास व गदरपुर में सर्विस मार्ग को बनाने व चौडीकरण करने के निर्देश दिये।

मा0 सांसद ने खेल विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि काशीपुर स्टेडियम पुर्ननिर्माण अतिआवश्यक है, इसके लिए शीघ्र डीपीआर तैयार कर शासन को भेजना सुनिश्चित करें, साथ ही उन्होने पेयजल निर्माण निगम द्बखेल ईकाई खण्डऋ का एक कैम्प कार्यालय जनपद में खोलने हेतु खेल सचिव से वार्ता की। उन्होने खेल अधिकारी को बश्क्सिंग, कराटे, ताईक्वाडों किट भी खिलाड़ियों उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होने रेलवे अधिकारियों को छत्तरपुर अण्डरपास निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश भी दिये। सांसद ने ट्रांजिट कैम्प रूद्रपुर, शक्तिगढ़, काशीपुर आदि क्षेत्रों में पुराने, टेड़े, टूटे विद्युत पोलो को बदले व झूलते विद्युत तारो को दुरूस्त करने के निर्देश विद्युत विभाग के अधिकारियों को दिये। उन्होने इण्डियन अश्वयल अडानी गैस पाईपलाइन की समीक्षा करते हुए गैस संयोजनों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होने शिमला पिस्तौर, छिनकी-पंडेरी सहित जनपद की सभी सड़को को गड्ढामुक्त व मरम्मत कराने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि गड्ढामुक्त सड़क सरकार की प्राथमिकता है इसलिए सड़क महकमे अधिकारी तत्काल सभी सड़को को गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिये इसमें लापरवाही बरतने पर सम्बन्धित के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही किये जाने की चेतावनी भी दी। भट्ट ने लेवड़ा नदी से बाजपुर में जल भराव बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए कार्य कराने के निर्देश अधिशासी अभियंता सिंचाई को दिये। जिस पर अधिशासी अधियंता ने बताया कि लेवड़ा नदी में बाढ़ नियंत्रण कार्यो हेतु प्रथम फेज में 9 करोड़ व द्वितीय फेज में 12 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। श्री भट्ट ने उधमसिंह नगर में केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत फोरेन्सिक विश्वविद्यालय भवन की जानकारी लेने पर जिलाधिकारी ने बताया कि फोरेन्सिक विश्वविद्यालय भवन निर्माण किच्छा में भूमि चिन्हित कर ली गई है।

समीक्षा दौरान उन्होंने निराश्रित गोवंशीय पशुओं के आश्रय हेतु गौशालाओं की समीक्षा की जिस पर जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में 6 गौशाला स्वीकृत हो गयी है व डीपीआर शासन को प्रेषित की गयी है तथा रुद्रपुर नगर निगम द्वारा गौशाला का निर्माण कार्य कराया जा रहा जिसे शीघ्र पूर्ण कर लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि रूद्रपुर, काशीपुर, खटीमा, सितारगंज शहर के ड्रेनेज प्लान डीपीआर भी शासन को भेजे गये है साथ ही उन्होने बताया प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास के अन्तर्गत 10998 के सापेक्ष शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है, शीघ्र ही आवासों का आवंटन किया जायेगा।

सांसद ने संजय वन में सौन्दर्यकरण, मनरेगा, एनआरएलएम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय कृषि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, रूद्रपुर सर्किट हाउस, मेडिकल कालेज, किच्छा एम्स, किच्छा बस अड्डा, अमृत योजना, एकीकृत बाल विकास कार्यक्रम, बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, रा. क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, पीएम पोषण योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, समग्र शिक्षा अभियान, जनमन योजना आदि की भी समीक्षा की।

जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने सभी अधिकारियों को बैठक में मा. सांसद जी द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करते हुए कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए साथ ही अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के भी निर्देश दिए। बैठक में क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा, मेयर विकास शर्मा, दीपक बाली, दर्जामंत्री उत्तम दत्ता, मंजीत सिंह, ब्लाक प्रमुख रीना गौतम, ज्योति ग्रोवर, अनूप कौर, चेयरमैन नगर पालिका गदरपुर मनोज गुम्बर, दिशा के सदस्य सतीश चुघ, मनोज कुमार, राजेश कुमार, अमित नारंग, सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, प्रभागीय वनाधिकारी उमेश चन्द्र तिवारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए हिमांशु जोशी, सीएमओ डा. केके अग्रवाल, चिकित्सा अधीक्षक ईएसआईसी डा. प्रवीण वर्मा, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, महाप्रबन्धक निर्मला बिष्ट, मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत, अधीक्षण अभियंता विद्युत डीके जोशी, पेयजल मृदुला सिंह, लोनिवि अनिल पांगती, डीडीएमओ उमाशंकर नेगी मौजूद रहे।

शीत लहर से निपटने की समय रहते करें तैयारी

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

अल्मोड़ा। आगामी दिनों में बढ़ती शीत लहर की स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि शीत लहर से जन-जीवन प्रभावित न हो, इसके लिए सभी विभाग यु)स्तर पर तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने नगर निकाय, विद्युत, जल संस्थान, चिकित्सा तथा आपदा प्रबंधन समेत सम्बंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। नगर निकायों को रात्रि में अलाव की व्यवस्था करने तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, बस स्टैंड, अस्पताल परिसर आदि में विशेष निगरानी रखने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में हीटिंग सिस्टम, दवाइयों और इमरजेंसी सेवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश मिले। आपदा प्रबंधन विभाग को शीत लहर की चेतावनी एवं राहत संबंधी जानकारी समय पर आमजन तक पहुंचाने हेतु अलर्ट सिस्टम सक्रिय रखने को कहा गया। उपजिलाधिकारियों को निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों के लिए शेल्टर होम्स में गर्म कपड़ों, कंबलों और भोजन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को ठंड बढ़ने की स्थिति में बिजली आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने तथा किसी भी खराबी पर त्वरित सुधार कार्य करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने स्तर पर शीत लहर से बचाव संबंधी तैयारियों की जमीनी समीक्षा करें साथ ही कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि अत्यधिक ठंड के दौरान अनावश्यक बाहर न निकलें तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता हेतु प्रशासन का सहयोग करें। इसके अतिरिक्त सड़कों को गड्ढा मुक्त किए जाने, अतिक्रमण पर प्रभावी कार्रवाई करने, नियमित रूप से सत्यापन की कार्यवाही करने, जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से निस्तारित करने जैसे कार्यों को लेकर भी जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक एवं कड़े दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, उपजिलाधिकारी संजय कुमार, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भीमताल क्षेत्र के अस्पतालों में शीघ्र बेहतर होंगी स्वास्थ्य सुविधाएं : कैड़ा

कुमाऊं जनसन्देश ब्यूरो

भीमताल। विधायक राम सिंह कैड़ा ने बीते शनिवार को रामगढ़ ब्लश्क के सूपी, बोहराकोट, झुतिया व तल्ला रामगढ़ व धारी ब्लश्क के सुनकिया व जड़ापानी आदि गांवों का पैदल भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्या सुनी। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष स्वास्थ्य सुविधा संबंधी समस्या रखी। कहा स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत निर्माणाधीन पेयजल योजनाओं का कार्य जल्द पूरा कराने की मांग की। गांवों को जोडऩे वाले आपदा से क्षतिग्रस्त सडकों की मरम्मत कर डामरीकरण की मांग की। विधायक ने ग्रामीणों को बताया विधानसभा क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का लगातार प्रयास किया जा रहा।

इस संबंध में मुख्यमंत्री से वार्ता की जा चुकी हैं और जल्द अस्पतालों में सुविधाएं मिलनी जा रही हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पदमपुरी में एक्सरे मशीन लगी है और अल्ट्रासाउंड मशीन भी जल्द लगेगी। पैथोलाजी लैब है, जहां प्रतिदिन जांच भी होती हैं, एक्सरे की सेवा रोज उपलब्ध है। अस्पताल में चार डाक्टर तैनात हैं। कहा ओखलकांडा, पदमपुरी, रामगढ़ व भीमताल के अस्पतालों का उच्चीकरण हो, जनता को और बेहतर इलाज मिले इस दिशा में उनके द्वारा लगातार शासन-प्रशासन से मांग की जा रही है। कहा जल्द विधानसभा क्षेत्र के अस्पताल सुविधा सम्पन्न होंगे इसके लिए वह मुख्यमंत्री से वार्ता कर चुके हैं। इस दौरान भाजपा धारी मंडल अध्यक्ष कृष्ण चंद्र, महामंत्री विवेक डंगवाल समेत तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।